



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 25, 2006/ज्येष्ठ 4, 1928

No. 87]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 25, 2006/JYAISTHA 4, 1928

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 19 मई, 2006

सं. टीएएमपी/20/2006—एनएसआईसीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा, संलग्न आदेशानुसार, न्हावा-शेवा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल लिमिटेड पर आईसीडी कंटेनरों के लिए रुकने का समय प्रभार की उगाही के संबंध में सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन से प्राप्त संदर्भ को निपटाता है और न्हावा-शेवा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल लिमिटेड के दरमान का संशोधन करता है।

अनुसूची

प्रकरण सं. टीएएमपी/20/2006—एनएसआईसीटी

सेंट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन

आवेदक

आदेश

(मई 2006 के 11 वें दिन पारित)

सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) ने अपने पत्र सं. सीडब्ल्यूसी/आरओ-एचडी/डीयूएस/प्रशुल्क/2005-06/8631 दिनांक 5 दिसंबर 2005 द्वारा इस प्राधिकरण को एक संदर्भ प्रस्तुत किया है कि एनएसआईसीटी, आईसीडी आयात तथा निर्यात कंटेनरों के लिए 15 दिन निःशुल्क रुकने का समय प्रदान करने से इनकार करता है। सीडब्ल्यूसी द्वारा प्रस्तुत किये गये बिन्दु संक्षेप में निम्नानुसार हैं :

- (i) सीडब्ल्यूसी, गुजरात में वडोदरा, दशरथ और वापी पर अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का (आईसीडी) प्रचालन करता है।

- (ii) चूँकि इन आईसीडी से जेएनपीटी/एनएसआईसीटी तक नियमित रूप से रेलगाड़ी की सेवाएँ उपलब्ध नहीं हैं, अधिकांश कंटेनरों की इन आईसीडी तथा जेएनपीटी/एनएसआईसीटी के बीच सड़क द्वारा ढुलाई की जाती है।
- (iii) दिनांक 21 फरवरी 2002 को पारित टीएमपी आदेश के खण्ड 10(घ) तथा तत्पश्चात् दिनांक 4 अगस्त 2005 की अधिसूचना के अनुसार, आईसीडी के सभी, भरे हुए और खाली आयात/निर्यात कंटेनरों के लिए पहले पन्द्रह दिन निःशुल्क हैं और इस निःशुल्क अवधि के दौरान एनएसआईसीटी द्वारा रूकने के समय का प्रभार नहीं लिया जाना चाहिए। तथापि, आयात/निर्यात कंटेनरों के लिए पन्द्रह दिन निःशुल्क रूकने का समय की अनुमति देने में एनएसआईसीटी उदासीन है। इससे निर्यातकों/आयातकों को, जो पिछवाड़े की भूमिवाले आईसीडी का उपयोग करते हैं, अतिरिक्त आदान-प्रदान लागत लगती है। अतः वे निकट स्थल पर स्थित कंटेनर भाड़ा स्टेशन (सीएफएस) का उपयोग करने के लिए विवश होते हैं जो पिछवाड़े की भूमि में आईसीडी तथा सीएफएस को स्थापित करने के मूल प्रयोजन एवं पत्तन तथा गोदी क्षेत्रों को भीड़ मुक्त करने के लक्ष्य को ही परास्त कर देता है।
- (iv) प्राधिकरण हस्तक्षेप करे और प्राधिकरण के आदेश के खण्ड 10(घ) के प्रावधानों का अनुपालन हेतु एनएसआईसीटी को निर्देश दे।
2. सीडब्ल्यूसी द्वारा प्रस्तुत किये हुए संदर्भ की प्रति को हमारे पत्र दिनांक 28 दिसंबर 2005 द्वारा एनएसआईसीटी को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजा गया था। एनएसआईसीटी से प्राप्त टिप्पणियों का सारांश निम्नप्रकार है :
- (i) प्राधिकरण के आदेश के खण्ड 10 (घ) के अनुसार पन्द्रह दिन का निःशुल्क रूकने का समय, सिर्फ रेलगाड़ी द्वारा ढुलाई किये गये कंटेनरों पर ही लागू होता है और सड़क द्वारा ढुलाई किये गये कंटेनरों पर लागू नहीं होता है। यद्यपि एनएसआईसीटी दरमान, पन्द्रह दिन के निःशुल्क रूकने के समय की पात्रता के लिए, आईसीडी कंटेनरों की परिवहन की रीति के बारे में खासतौर पर कोई उल्लेख नहीं करता है, फिर भी प्रहस्तन पर उपलब्ध विविध प्रशुल्क शीषों से यह संदर्भ लिया जा सकता है कि निःशुल्क रूकने का समय केवल रेलगाड़ी द्वारा भेजे गये कंटेनरों पर ही लागू होता है।
- (ii) एनएसआईसीटी दरमान के सामान्य नोट के अनुसार, अगर कोई शंका या संदिग्धता हो तो स्पष्टीकरण के लिए जेएनपीटी दरमान का अवलोकन किया जाना है। जेएनपीटी दरमान के अनुसार, रूकने का समय प्रभारों के परिकलन के प्रयोजन से, सड़क द्वारा ढुलाई कराके कंटेनर यार्ड में भंडारित सभी आईसीडी कंटेनरों को (आयात या निर्यात, भरे हुए अथवा खाली) सड़क द्वारा ढुलाई किये हुए और किसी कंटेनर के समान मानना चाहिए।
- (iii) रेलगाड़ी द्वारा ढुलाई किये हुए कंटेनरों के लिए ही हम अतिरिक्त निःशुल्क अवधि प्रदान करते हैं। महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण को प्रस्तुत किये जानेवाले राजस्व परिकलन के प्रयोजन के लिए हमने हमेशा सड़क तथा रेलगाड़ी कंटेनरों पर अलग-अलग विचार किया है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य आधार पर भेद नहीं किया जाता है।
- (iv) महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण द्वारा जारी की हुई अधिसूचना सं. जी 194 दिनांक 25 सितंबर 2002, प्राधिकरण को व्यक्तिगत पक्षकारों से विचार करने हेतु अभ्यावेदन स्वीकार करने से निषिद्ध करती है और इस प्रकार उनपर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।
3. कंटेनरों और कंटेनरों में भरे कार्गो के प्रहस्तन और आवागमन हेतु समेकित प्रभारों में वृद्धिकारी संशोधन के लिए एनएसआईसीटी के प्रस्ताव के संदर्भ से इस प्राधिकरण ने 7 नवम्बर 2000 को एक आदेश पारित किया था। दिनांक 5 दिसंबर 1998 के आदेश में निर्धारित रूकने का समय प्रभारों से संबंधित स्थिति 7 नवम्बर 2000 के प्रशुल्क आदेश में अपरिवर्तित रही। यह स्थिति एनएसआईसीटी के दरमान की जुलाई 2005 और मार्च 2006 में क्रमशः दिनांक 22 जुलाई 2005 के आदेश और दिनांक 7 मार्च 2006 के आदेश द्वारा की गई एक पक्षीय समीक्षा में भी अक्षुण्ण रही है।
4. इस प्रकरण के संसाधन के दौरान एकत्रित की गयी सूचना की संपूर्णता के संदर्भ में निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है :-
- (i) एनएसआईसीटी ने, व्यक्तिगत पक्षकारों से प्राप्त अभ्यावेदनों को विचार हेतु स्वीकारने के लिए प्राधिकरण की शक्तियों के संबंध में एक आपत्ति उठायी है। इस सिलसिले में उसने, प्राधिकरण द्वारा जारी की गयी अधिसूचना दिनांक 25 सितंबर 2002, को संदर्भित किया है। दिनांक 25 सितंबर 2002 की उक्त अधिसूचना न्याय-निर्णय के लिए व्यक्तिगत पक्षकारों से प्राप्त अभ्यावेदनों को स्वीकार करने से विरत रहने हेतु, महापत्तन न्याय अधिनियम के खण्ड 111 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी किये गए नीति निर्देश के अनुपालन में इस प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश से संबंधित है। भारत सरकार ने अपनी परवर्ती सूचना दिनांक 26 मार्च 2003 द्वारा यह स्पष्ट किया है कि उसका यह निर्देश प्राधिकरण को, प्राधिकरण द्वारा निर्धारित दरमान से संबंधित आदेशों के विषय में व्याख्या/स्पष्टीकरण के आवेदनों को स्वीकार करने से नहीं रोकता है। प्रस्तुत प्रकरण एनएसआईसीटी के दरमान में संदेहों को दूर करने के संबंध में है। यह भी उल्लेखनीय है कि संशोधित प्रशुल्क मार्गदर्शियों का खण्ड 3.1.5 इस प्राधिकरण को व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं द्वारा दारिद्र्य किये गये उन अभ्यावेदनों को, जिनमें प्रशुल्क निर्धारण सम्मिलित है, स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत करता है।
- (ii) जेएनपीटी में प्राप्त स्थिति के अनुरूप, आईसीडी कंटेनरों के लिए ग्राह्य निःशुल्क दिन की संख्या, ऐसे आईसीडी कंटेनरों की ढुलाई की रीति पर निर्भर है। एनएसआईसीटी के दरमान के सामान्य नोट सं 8 के मद्देनजर, एनएसआईसीटी पर प्रहस्तन किये गये आईसीडी कंटेनरों के लिए ग्राह्य निःशुल्क दिन की संख्या भी ऐसे आईसीडी कंटेनरों की ढुलाई की रीति पर ही निर्भर है। ऐसी स्थिति में, एनएसआईसीटी के कंटेनर यार्ड पर भंडारित आईसीडी कंटेनर, अगर केवल रेलगाड़ी द्वारा ढुलाई किये जाते हैं तो जेएनपीटी में प्राप्त स्थिति के अनुसार 15 दिन निःशुल्क रोकने के समय का लाभ उठावेंगे।

- (iii) सड़क द्वारा ढुलाई किये गये कंटेनरों के लिए जेएनपीटी दरमान में निर्धारित निःशुल्क रूकने का समय इस तथ्य पर निर्भर रहेगा कि ऐसे आईसीडी कंटेनर लदे हुए अथवा खाली हैं क्योंकि खाली और लदे हुए कंटेनरों के लिए निःशुल्क दिन की संख्या अलग-अलग निर्धारित हैं। चूंकि लदे हुए तथा खाली कंटेनरों के लिए निःशुल्क रूकने का समय, एनएसआईसीटी के दरमान में, एक ही प्रशुल्क प्रविष्टि के अंतर्गत मिलता है, इस बात को भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि सड़क द्वारा ढुलाई किए हुए और एनएसआईसीटी के कंटेनर यार्ड में भंडारित आईसीडी कंटेनरों (आयात अथवा निर्यात) के लिए निःशुल्क रूकने का समय, आयात और निर्यात कंटेनरों के लिए लागू सामान्य प्रावधान द्वारा शासित होगा।
- (iv) यह स्पष्ट है कि एनएसआईसीटी द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण सही है और सामान्य नोट सं. 8 की दृष्टि से दरमान की शर्तों के अनुरूप है। तथापि, किसी अभिव्यक्ति की संभावित संदिग्धता को दूर करने हेतु और जेएनपीटी के दरमान का संदर्भ लेने से बचने के लिए एनएसआईसीटी के दरमान में संशोधन करना श्रेष्ठतर व्यवस्था होगी।

5.1 परिणामस्वरूप, और उपरोक्त कारणों से और समग्र विचारविमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण निम्नलिखित का अनुमोदन करता है :-

- (i) एनएसआईसीटी के दरमान में खण्ड 9, रूकने का समय प्रभार के वर्तमान उपखण्ड-घ में इस सीमा तक परिवर्तन किया जाता है कि उपखण्ड-घ रेल द्वारा लाए ले जाए गए आईसीडी कंटेनरों पर लागू है।
- (ii) सड़क द्वारा ढुलाई किये गये कंटेनरों के लिए निर्धारित निःशुल्क दिन, खण्ड-9 रूकने का समय प्रभार के वर्तमान उपखण्ड-क, उपखण्ड-ख तथा उपखण्ड-ग द्वारा शासित होंगे।

5.2 एनएसआईसीटी को अपना दरमान तदनुसार संशोधित करने हेतु निदेशित किया जाता है।

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/05-असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the 19th May, 2006

No. TAMP/20/2006-NSICT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the reference received from the Central Warehousing Corporation relating to levy of dwell time charges for ICD containers at Nhava Sheva International Container Terminal Limited and amends the Scale of Rates of Nhava Sheva International Container Terminal Limited as in the Order appended hereto.

SCHEDULE

Case No. TAMP/20/2006 - NSICT

Central Warehousing Corporation

Applicant

ORDER

(Passed on this 11th day of May 2006)

The Central Warehousing Corporation (CWC) vide its letter No.CWC/RO-AHD/DUS/Tariff/2005-06/8631 dated 5 December 2005 has represented that the NSICT refuses to grant 15 days free dwell time for the ICD import and export containers. The points made by CWC are summarised below:

- (i). CWC operates Inland Container Depots (ICDs) at Vapi and Dashrath, Vadodara in the State of Gujarat.
- (ii). As there are no regular train services available from these ICDs to JNPT/NSICT, most of the containers are transported by road between these ICDs and JNPT / NSICT.

- (iii). As per Section 10 (D) of TAMP Order dated 21 February 2002 and subsequent notification dated 4 August 2005, first 15 days are free for all ICD loaded and empty import / export containers and no dwell time charges should be levied by NSICT for this free period. However, NSICT is reluctant to allow 15 days free dwell time for the import / export ICD containers. This causes additional transaction cost to the exporters and importers who make use of the hinterland ICDs. They are, therefore, forced to make use of Container Freight Stations (CFS) located in the close vicinity of JNPT / NSICT which defeats the basic purpose of setting up CFS/ ICDs at the hinterland and to decongest the port and dock areas.
- (iv). TAMP may intervene and instruct NSICT to honour the provisions of Section 10 (D) of the Order of TAMP.

2. A copy of the reference made by CWC was forwarded to the NSICT for comments. The comments received from NSICT are summarised below:

- (i). The free dwell time of 15 days is applicable only in the case of containers moved by rail and not applicable in the case of containers transported by road as per Section 10 (D) of the TAMP Order. While NSICT Scale of Rates does not specifically mention about the mode of transport of ICD containers for eligibility of 15 days free dwell time, reference could be drawn from various tariff heads on handling that the same is applicable only for containers going by rail.
- (ii). As per the General Note in NSICT Scale of Rates, the JNPT Scale of Rates has to be referred for clarification in case of any doubt or ambiguity. All ICD containers (import or export, loaded or empty) moved by road and stored in the container yard shall be treated at par with any other container moved by road for the purpose of calculating dwell time charges as per JNPT Scale of Rates.
- (iii). We extend additional free days only for containers that are moved by rail. We have always considered road and rail containers separately for the purpose of revenue calculations submitted to TAMP. No distinction has been made on any further basis.
- (iv). Notification No.G194 dated 25 September 2002 issued by TAMP prohibits the Authority from taking up representations from individual parties for consideration and thus should not be entertained.

3. With reference to the NSICT proposal for upward revision in the consolidated charges for movement and handling of containers and containerised cargo, this Authority passed an Order dated 7 November 2000. The position relating to the dwell time charges prescribed in the Order dated 5 December 1998 remained unaltered in the tariff Order dated 7 November 2000. This position continues to remain intact in the *suo motu* review of the Scale of Rates of NSICT carried out in July 2005 and in March 2006 vide Order dated 22 July 2005 and Order dated 7 March 2006 respectively.

4. With reference to the totality of the information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i). The NSICT has raised an objection relating to the powers of this Authority to entertain representations from individual parties for consideration. The notification dated 25 September 2002 relates to the policy direction issued by the Government of India under Section 111 of the MPT Act refraining this Authority from entertaining representations made by individual parties for adjudications. The Government of India in a subsequent communication dated 26 March 2003 has clarified that its direction does not prohibit this Authority in the matter of entertaining request for interpretation / clarification in respect of Orders relating to Scale of Rates prescribed by this Authority. The case in hand relates to removing ambiguity in the Scale of Rates of NSICT. It is noteworthy that Clause 3.1.5. of the revised tariff guidelines authorises this Authority to entertain representations filed by individual users which involves fixation of tariff.

- (ii). The number of free days admissible for ICD containers is dependent on the mode of transport of such ICD containers as per the position obtaining in the JNPT. In view of General Note No.8 in the Scale of Rates of NSICT, the admissible free days for ICD containers handled at NSICT also depends on the mode of transport of such ICD containers. That being so, the ICD containers stored in the container yard of NSICT shall enjoy 15 days free dwell time as per position obtaining in the JNPT, only if such ICD containers are moved by rail.
- (iii). The free dwell time in respect of ICD containers moved by road prescribed in the Scale of Rates of JNPT depends on whether such ICD containers are loaded or empty, as different number of free days are prescribed for empty and loaded ICD containers. Since free dwell time for the loaded and empty containers falls under one tariff entry in the Scale of Rates of NSICT, it also needs to be clarified that the free dwell time for ICD container (import or export) moved by road and stored in the container yard of NSICT will be governed by the general provision applicable for import and export containers.
- (iv). It is clear that the approach adopted by NSICT is correct and is in terms of the Scale of Rates in view of the General Note No.8. Nevertheless, it will be a better arrangement to amend the Scale of Rates of NSICT to remove any possible ambiguity of expression and to avoid any cross-reference to the JNPT Scale of Rates.

5.1. In the result, and for the reasons given above and based on the collective application of mind, this Authority approves the following:

- (i). The existing sub-Section-D to Section-9 Dwell time charges in the Scale of Rates of NSICT is amended to the extent that the sub-Section-D is applicable for ICD containers moved by rail.
- (ii). The free days in respect of the ICD containers moved by road will be governed by the existing sub-Section-A, sub-Section-B and sub-Section-C of Section-9 Dwell time charges.

5.2. The NSICT is directed to amend its Scale of Rates accordingly.

A.L. BONGIRWAR, Chairman

[ADVT III/IV/143/05-Exty.]

1570 GI/06-2